शुक्रवार
05 जुलाई 2024

पृष्ठ 4
खाते वक्त बंद कर दें अपना फोन, वरना...

पृष्ठ 5
पिंक लहंगे में बला की खूबसूरत लगी...

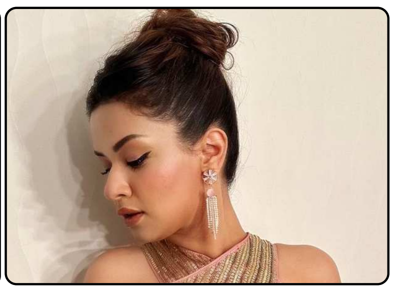

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 152
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

कष्ट और विपत्ति मनुष्य को शिक्षा देने वाले श्रेष्ठ गुण हैं। जो साहस के साथ उनका सामना करते हैं, वे विजयी होते हैं।
— लोकमान्य तिलक

महिलाओं के कपड़ों पर बयान देकर फंसे चीमा

विशेष संवाददाता

देहरादून। एक तरफ उत्तराखण्ड में महिला अपराधों का बढ़ता हुआ ग्राफ है तो वहीं दूसरी ओर इन्हे लेकर होने वाली राजनीति भी उफान पर है। पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा द्वारा कल एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जिस तरह से महिलाओं के पहनावे को लेकर सवाल उठाये गये है उसे लेकर बड़ा बवाल खड़ा हो गया है।

❑भाजपा नेताओं की मानसिकता का परिचायकः प्रीतम सिंह
❑पार्टी का चीमा के बयान से कुछ लेना-देना नहीः महेन्द्र भट्ट

पूर्व विधायक चीमा द्वारा अपनी इस विज्ञप्ति में महिलाओं के साथ होने वाली रेप जैसी घटनाओं के लिए उन्हे भारतीय संस्कृति के अनुरूप ही कपड़े पहनने की नसीहत दी गयी है। उनके द्वारा यह बयान ऐसे समय में सामने आया है जब एक तरफ कांग्रेस महिला अपराधों को लेकर उग्र धरने प्रदर्शन कर रही है। वहीं राज्य में दो विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव भी 10 जुलाई को होने जा रहे है। कांग्रेस ने इस मुद्दे को हाथों हाथ लपक लिया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रीतम सिंह का कहना है कि महिलाओं को लेकर भाजपा और उसके नेताओं की क्या सोच रही है? यह कोई नई बात नहीं है। बात चाहे पूर्व सीएम की रही हो जो लड़कियों की फटी जींस पर टीका टिप्पणी करते थे या फिर अब भाजपा के पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा के बयान की हो। भाजपा नेताओं का महिलाओं के प्रति उसकी मानसिकता और सोच का प्रतीक है। उन्होने कहा कि भाजपा के नेताओं का असली चाल चरित्र यही है। जिसका प्रमाण वह समय-समय पर बयानो व अपने कृत्यों से देते रहते है।

उधर इस मुद्दे से अनिभिज्ञता जाहिर करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने कहा कि चीमा अब 80 वर्ष के हो चुके है उनका यह बयान अपने समय के कालखण्ड की उनकी अपनी सोच हो सकती है। उनके इस बयान का पार्टी से कोई लेना देना नहीं है। भले ही अब भाजपा अब चीमा के इस बयान से पल्ला झाड़ रही हो लेकिन कांग्रेस ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और भाजपा ने उसे बैठे बैठाये बोलने का एक मुद्दा दे दिया है।

पांच दिन जारी रहेगा बारिश का कहर: केदार घाटी में सेतु सुरंग का एक हिस्सा ढहा

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य में बीते तीन-चार दिनों से ताबड़ तोड़ बारिश का क्रम जारी है। मौसम विभाग की माने तो यह सिलसिला अभी अगले 5 दिन और जारी रहेगा। जिसके मद्देनजर कुमाऊँ मंडल के पांच जिलों में रेड अलर्ट और गढ़वाल मंडल के 6 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

केदारनाथ हाईवे पर बना संगम सेतु सुरंग का एक हिस्सा बीती रात हुई भारी बारिश के कारण ढह गया, जिससे केदारनाथ घाटी का संपर्क टूट गया है। 1952 में बनी इस सुरंग के ट्रीटमेंट का काम पूरा नहीं हो सका था। चारधाम यात्रा शुरू होने के कारण ट्रीटमेंट का काम रोक दिया गया था। इस सुरंग के एक मुहाने पर भारी मलवा व बोल्डर गिरने से सुरंग में भी बड़ा होल हो गया है।

उधर मूसलाधार बारिश के कारण एक बरसाती नाले में आए ऊफान के कारण तीन बच्चों के बह जाने की खबर है एसडीआरएफ व जल पुलिस ने दो बच्चों को तो बचा लिया लेकिन एक बच्चे का पता नहीं चल सका है। उधर बागेश्वर में भारी बारिश के कारण एक बस के पलट जाने की खबर

❑टिहरी में मूसलाधार बारिश, घरों में घुसा मलवा, दून के आवासीय क्षेत्रों में जल भराव

है जिसमें सवार 25 यात्रियों को बचा लिया गया है टिहरी में बीती रात हुई भारी बारिश से पहाड़ से आए मलवा व पानी के कारण कई मकानों के क्षतिग्रस्त होने तथा घरों में मलवा व पानी भरने की खबर है।

डीएम वंदना का कहना है कि अधिकारी मौके पर है तथा पीड़ितों को हर संभव मदद दी जा रही है। उधर देहरादून में भी लगातार भारी बारिश के कारण अनेक क्षेत्रों में जल भराव की स्थिति पैदा हो गई है जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अमृतपाल ने ली सांसदी की शपथ

नई दिल्ली। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को लोकसभा सांसद के तौर पर शुक्रवार को शपथ दिलाई गई। अमृतपाल को शपथ दिलाने के लिए असम के डिब्रूगढ़ जेल से दिल्ली लाया गया था। इसके लिए बकायदा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। जानकारी के अनुसार अमृतपाल सिंह को शुक्रवार तड़के कड़ी सुरक्षा के बीच पहले एयरपोर्ट लेकर लाया गया था। इस दौरान अमृतपाल सिंह की सुरक्षा में पंजाब पुलिस के आठ जवान तैनात हैं। अमृतपाल को जेल से एयरपोर्ट तक लाने और फिर दिल्ली की फ्लाइट पकड़ाने तक, असम पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने भी सभी तरह के इंतजाम किए थे। लोकसभा सांसद के तौर पर शपथ लेने के लिए कोर्ट ने अमृतपाल सिंह को चार दिन की पेरोल दी है। आपको बता दें कि अमृतपाल सिंह पंजाब के खडूर साहिब निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीता है। अमृतपाल सिंह को बतौर सांसद शपथ लेने के लिए कोर्ट ने सशर्त पेरोल दी है। पंजाब में अमृतसर के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी पैरोल आदेश में निर्धारित शर्तों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में रहने के दौरान सिंह, उनके रिश्तेदार या परिवार के सदस्य मीडिया में कोई बयान नहीं देंगे। अमृतपाल सिंह को पिछले साल 23 अप्रैल को अमृतसर से गिरफ्तार किया गया था।

नीट पीजी परीक्षा की तारीख का एलान, 11 अगस्त को 2 पालियों में होगी परीक्षा

नई दिल्ली। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने स्नातकोत्तर मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली नीट पीजी परीक्षा की तारीख की घोषणा कर दी है। एजेंसी ने परीक्षा की तारीख 11 अगस्त तय की है। दो पालियों में आयोजित किया जाएगा। एनटीए ने एसओपी और प्रोटोकॉल की समीक्षा करने के बाद इस एग्जाम की नई तारीख की घोषणा की है। बता दें कि एनटीए ने इससे पहले नीट पीजी के एग्जाम की डेट रद्द कर दी थी।

जो उम्मीदवार पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम यानी नीट पीजी के इस

एग्जाम में 23 जून को शामिल होने वाले थे वे एनबीई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर नई तारीख के संदर्भ में देख सकते हैं। नीट पीजी के इस एग्जाम से जुड़ी अधिक जानकारी छात्रों को जल्द बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट दंइइवंतक. मकन.पद पर दी जाएगी। नोटिस में आगे कहा गया कि 15 अगस्त तक इसकी कटऑफ जारी की जाएगी।

आधिकारिक नोटिस में लिखा है, श्एनबीईएमएस के 22.06.2024 के नोटिस के क्रम में, नीट पीजी 2024 परीक्षा का आयोजन पुनर्निर्धारित किया गया है। नीट पीजी 2024 अब 11 अगस्त को दो पालियों में आयोजित किया जाएगा।श नोटिस में आगे लिखा है कि नीट पीजी 2024 में उपस्थित होने की पात्रता की कट-ऑफ तारीख 15 अगस्त ही रहेगी। गौरतलब है कि नीट पीजी का आयोजन पहले 23 जून को होने वाला था, पर नीट यूजी पेपर लीक विवाद के कारण इसे 22 जून को एग्जाम की तारीख से 12 घंटे पहले परीक्षा की अखंडता के उल्लघंन की कोशिश का हवाला देते हुए पोस्टपोन कर दिया था।

दून वैली मेल

संपादकीय

देवभूमि को शर्मसार करती खाकी

देवभूमि की मित्र पुलिस खाकी पहनकर महिलाओं के साथ क्या-क्या कारनामे कर रही है, आए दिन प्रकाश में आने वाली खबरें इसकी पुष्टि और प्रमाण के लिए काफी है। अभी दो दिन पहले ही डीजीपी अभिनव कुमार ने महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा था कि इससे पुलिस की छवि खराब हो रही है तथा ऐसे पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। अपने 3 साल के कार्यकाल पूरा होने पर मुख्यमंत्री धामी ने महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया लेकिन इसके बाद भी न तो महिलाओं पर होने वाले अत्याचार, हिंसा और उनके यौन उत्पीड़न के मामले थम रहे हैं और न ही उसमें कोई कमी आ रही है। खास बात यह है कि खुद पुलिसकर्मी जिन पर महिलाओं को सुरक्षा देने की जिम्मेदारी है वह इस तरह के अपराधों को अंजाम देने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसी स्थिति में जब रक्षक ही भक्षक बन जाएंगे तो फिर महिलाओं की सुरक्षा की बात या सर्वोच्च प्राथमिकता की बात एक बेमानी से ज्यादा कुछ नहीं है। केदारनाथ में एक महिला को सहायता देने के नाम पर पुलिस कैंप में ठहराया जाना और उसके साथ छेड़छाड़ किए जाने का जो मामला प्रकाश में आया है वह अत्यंत ही चिंताजनक है। भले ही इस मामले में महिला द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर और पुलिस हेल्पलाइन पर ऑनलाइन शिकायत के बाद दो दरोगाओं को सस्पेंड कर दिया गया हो लेकिन सवाल यह है कि धार्मिक यात्रा पर आने वाली महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा में तैनात किए गए पुलिस कर्मियों की अगर मानसिकता इस तरह की है तो इस प्रदेश के मानसिक रूप से बीमार पुलिस वालों का सख्त इलाज करने की जरूरत है। देवभूमि की सभ्यता और संस्कृति को कलंकित करने वाले पुलिस कर्मियों की पुलिस में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उत्तराखंड में चार धाम यात्रा पर लाखों महिला श्रद्धालु देश-विदेश से आती है अगर एक भी ऐसी घटना सामने आती है तो उससे उत्तराखंड की छवि को ऐसा नुकसान होता है जिसकी भरपाई संभव नहीं है। अभी उधमसिंहनगर का एक आडियो वायरल हुआ था। जिसमें एक पुलिस इंस्पेक्टर महिला से अश्लील बातचीत कर रहा था। जिसके खिलाफ कार्रवाई करने पर पुलिस को विवश होना पड़ा। ऐसे एक नहीं अनेक मामले अब तक समय-समय पर प्रकाश में आते रहे हैं जो अब एक इतिहास बनता जा रहा है। जहां तक राज्य में महिला अपराधों की बात है तो अंकिता भंडारी हत्याकांड से लेकर अभी हरिद्वार में एक नाबालिक लड़की से गैंगरेप और हत्या के मामले में सत्तारूढ़ भाजपा दल के नेताओं की संलिप्ता यह बताती है कि शासन-प्रशासन में बैठे चाहे नेता हो या फिर अधिकारी वह भले ही महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान पर कितनी भी बड़ी-बड़ी बातें करते हो लेकिन जमीनी सच्चाई यही है कि वह इन्हें लेकर कतई भी फिक्रमंद नहीं है। जब भी इस तरह की कोई घटना सामने आ जाती है तो उस पर कार्यवाही करके या फिर उसे रफा दफा कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है। जो अत्यंत ही चिंतनीय मुद्दा है शासन-प्रशासन में बैठे लोगों को इस पर और अधिक गंभीर होने की जरूरत है।

माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर में विशेष गुप्त नवरात्रि पूजा अनुष्ठान 6 से

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून में विशेष गुप्त नवरात्रि पूजा अनुष्ठान शनिवार 6 जुलाई से सोमवार 15 जुलाई तक विधि विधान और विशेष पूजा अर्चना के साथ किया जाएगा। मंदिर के संस्थापक आचार्य डा0 बिपिन जोशी ने बताया विश्व शांति, देश के चहुमुखी विकास और देवभूमि उत्तराखंड की सुख शांति और समृद्धि की मंगल कामना के साथ विशेष गुप्त नवरात्रि पूजा अनुष्ठान का शुभारंभ घट स्थापना, हरियाली बोने और श्री दुर्गा सप्तशती पाठ के साथ होगा। नित्य श्री दुर्गा सप्तशती पाठ, विशेष पूजा अर्चना होगी रविवार 14 जुलाई को विशेष कन्या पूजन, यज्ञ और प्रसाद वितरण किया जाएगा साथ ही 15 जुलाई को श्रद्धालु भक्तों को विशेष गुप्त नवरात्रि का हरियाली प्रसाद वितरण किया जाएगा।

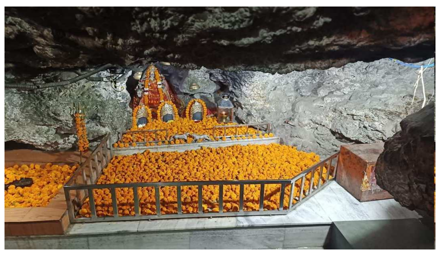

विश्वो ह्यन्यो अरिराजगाम ममेदह श्वशुरो ना जगाम।
जक्षीयाद्धाना उत सोमं पपीयात्स्वाशितः पुनरस्तं जगायात्।।
(ऋग्वेद १०-२८-१)

सभी दूसरे शत्रुओं (काम, क्रोध, लोभ, मोह, आदि) के स्वामी तो आ गए मेरा मुख्य नायक, मेरा स्वामी अर्थात प्रभु अभी तक नहीं आए अर्थात उनका साक्षात्कार नहीं हुआ। जब हम भुने हुए जौ, आदि वानस्पतिक भोजन करेंगे और प्रभु के लिए अपनी श्रद्धा का सोम उत्पन्न करेंगे तो हमारी बुद्धि सात्विक होगी और हमें प्रभु के साक्षात्कार होंगे।

चंडिका मंदिर को पर्यटन सर्किट में जोड़ने के लिए कसरत शुरु

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के बाद चंडिका/तुंगनाथ मन्दिर को पर्यटन सर्किट से जोडने के लिए पर्यटन विभाग व जीएमवीएन के प्रतिनिधि यों ने स्थलीय निरीक्षण किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के तहत मां नारी चंडिका/तुंगनाथ जी मंदिर को पर्यटन सर्किट में घोषित करने के बाद पर्यटन विभाग और जीएमवीएन के प्रतिनिधियों द्वारा मन्दिर क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंदिर क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न योजनाओं पर स्थलीय निरीक्षण के दौरान अन्य योजनाओं पर सहमति बनी। जिसमें नौलापानी और सतेराखाल में दो भव्य गेट, मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, टाइल्स निर्माण, अतिरिक्त कक्ष निर्माण, मंदिर के आस पास के सभी मुख्य रास्ते, पौराणिक पंधेरे, खतेणा गांव स्थित पंधेरा और खतेणा से नारी तक रास्ते निर्माण और अन्य कार्यों का आगणन तैयार किया गया। भाजपा जिला मंत्री गम्भीर सिंह बिष्ट ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का धन्यवाद करते हुए कहा कि नवंबर 2021 में भाजपा कार्यकर्ताओं की मांग पर मां नारी चंडिका मंदिर को पर्यटन सर्किट में जोड़ने की घोषणा की गई थी। उसके बाद विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे थे। अब विभाग द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया और मंदिर क्षेत्र से जुड़ी जरूरी योजनाओं के लिए आगणन तैयार किया जा रहा है। मंदिर समिति अध्यक्ष दीक्षराज सिंह रावत और प्रधान दयाल सजवाण ने बताया कि यह मंदिर आदि गुरु शंकराचार्य के समय का निर्मित है, जिसका अपना एक बड़ा महत्व है और मां नारी चंडिका क्षेत्र के आराध्य देवी है। उन्होंने मुख्यमंत्री घोषणा के बाद पर्यटन विभाग के द्वारा की गई तैयारियों के लिए धन्यवाद दिया।

इस दौरान जीएमवीएन प्रतिनिधि धनपत नेगी और आयुष सिंह, भाजपा मंडल महामंत्री विक्रम पैलडा, बलबीर सजवाण, महिपाल नेगी, सुरेंद्र मलवाल आदि मौजूद थे।

असम में बाढ़ से अब तक 52 लोगों की मौत

डिब्रूगढ़। असम में बाढ़ से बिगड़े हालात। मरने वालों की संख्या बढ़कर 52 हो गई है। बाढ़ से 29 जिलों के 21 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए है। राज्य की कई प्रमुख नदियों में जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर है। प्रशासन ने इस आपदा के निपटने के लिए बाढ़ प्रभावित जिलों में 515 राहत शिविर और वितरण केंद्र लगाए गए है। जहां करीब 3 लाख से ज्यादा लोग शरण लिए हुए हैं। बाढ़ का पानी घरों में घुसने के बाद कई बाढ़ प्रभावित लोग सुरक्षित स्थानों, स्कूल, भवन, सड़कों और पुलों पर शरण ले रहे हैं।

इस बीच मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने डिब्रूगढ पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से बात की और दिशा-निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने डिब्रूगढ़ शहर की स्थिति की जायजा लिया। डिब्रूगढ़ पिछले आठ दिनों से पानी में डूबा हुआ है और बिजली की गंभीर कमी का सामना कर रहा है।

ड्रग्स फ्री देहरादून के लिए 6 को युवा लेंगे शपथः पाल

संवाददाता

देहरादून। ऊषा फाउंडेशन के निर्देशक ऋषभ पाल ने कहा कि ड्रग्स फ्री देहरादून के लिए 6 जुलाई को घंटाघर पर एकत्रित होकर शपथ लेंगे।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए ऊषा फाउंडेशन के निर्देशक ऋषभ पाल ने कहा कि फाउंडेशन विशाल गुप्ता के सहयोग के साथ संकल्प ड्रग्स फ्री देहरादून कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं जिसका शुभारम्भ 6 जुलाई को 6 बजे घंटाघर पर किया जायेगा जिसमें बडी संख्या में युवा प्रतिभाग करेंगे व नशे के विरूद्ध शपथ लेने में शहर की अनेक विभूतियां शामिल होंगी। पाल ने कहा कि ऐसी विभूतियों को उनके मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति होगी।

भांग की खेती नष्ट कर किया नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरुक

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। पहाड़ो में की जाने वाली भांग की खेती को नष्ट करने के साथ ही पुलिस ने लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना झिरोली पुलिस द्वारा ग्राम कराला पालड़ी, व ग्राम पालड़ीछिना में लगभग 7 नाली भांग की खेती को पूर्ण रूप से नष्ट किया गया है। साथ ही पुलिस टीम द्वारा स्थानीय ग्रामीणों को भविष्य में भांग की खेती न करने व नशे से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशा मुक्ति अभियान में पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई है। पुलिस ने स्थानीय लोगों को 1 जुलाई से सम्पूर्ण भारत में लागू हुए व भारत सरकार द्वारा अधिनियमित नये आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 व भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 की विस्तृत रुप से जानकारी देकर जागरुक करते हुए, वर्तमान में बढ़ रहे साइबर क्राइम/ऑनलाइन धोखाधड़ी /ठगी होने पर शीघ्र ही साइबर हैल्पलाइन नंबर-1930, डायल 112, पर शिकायत दर्ज कराने के सम्बन्ध में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में एस.ओ.जी. प्रभारी प्रहलाद सिंह एवं थानाध्यक्ष झिरौली नितिन बहुगुणा, एस.ओ.जी. /ए.एन.टी.एफ. एवं थाना झिरौली के कर्मचारी मौजूद रहे।

पेड़ बचाओ-पेड़ लगाओ

विनीत नारायण

पूरी दुनिया भीषण गर्मी से झुलस रही है। हजारों लोग गर्मी की मार से बेहाल हो कर मर चुके हैं। दुनिया के हर कोने से एक ही आवाज उठ रही है, कि पेड़ बचाओ-पेड़ लगाओ। क्योंकि पेड़ ही गर्मी की मार से बचा सकते हैं।

ये हवा में नमी को बढ़ाते हैं और मेघों को आकर्षित करते हैं, जिससे वर्षा होती है। आप दो करोड़ की कार को जब पार्किंग में खड़ा करते हैं तो किसी पेड़ की छांव ढूंढ़ते हैं। क्योंकि बिना छांव के खड़ी आपकी कार दस मिनट में भट्टी की तरह तपने लगती है। इस बार हज में जो एक हजार से ज्यादा लोग अब तक गर्मी से मरे हैं, वे शायद न मरते अगर उन्हें पेड़ों की छाया नसीब हो जाती।

चलो वहां तो रेगिस्तान है पर भारत तो सुजलाम सुफलाम मलयज शीतलाम, शस्यश्यामलाम वाला देश है जिसका वर्णन हमारे शास्त्रों, साहित्य और इतिहास में ही नहीं चित्रकारी और मूर्तिकला में भी परिलक्षित होता है। पर दुर्भाग्य देखिए कि आज भारत भूमि तेजी से वृक्षविहीन हो रही है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि तमाम प्रयासों के बावजूद भारत का हरित आवरण भूभाग का कुल 24.56 प्रतिशत ही है। ये सरकारी आंकड़े हैं, जमीनी हकीकत आप खुद जानते हैं। अगर हवाई जहाज से आप भारत के ऊपर उड़ें तो आपको सैकड़ों मीलों तक धूल भरी आंधियां और सूखी जमीन नजर आती है। पर्यावरण की दृष्टि से कुल भूभाग का 34 फीसद अगर हरित आवरण हो तो हमारा जीवन सुरक्षित रह सकता है।

भवन निर्माताओं की अंधी दौड़, बढ़ता शहरीकरण और औद्योगीकरण, आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लिए बड़ी-बड़ी परियोजनाएं, जंगलों के कटान के लिए जिम्मेदार हैं। मानवशास्त्र विज्ञान ने यह सिद्ध किया है कि पर्यावरण की सुरक्षा का सबसे बड़ा काम जनजातीय लोग करते हैं। वे कभी गीले पेड़ नहीं काटते, हमेशा सूखी लकड़ियां ही चुनते हैं। वृक्षों की पूजा करते हैं। पर जब खान माफिया या बड़ी परियोजना की गिद्धदृष्टि वनों पर पड़ती है तो वन ही नहीं, वन्य जीवन भी कुछ महीनों में नष्ट हो जाता है। पर्यावरण की रक्षा के लिए बने कानून और अदालतें केवल कागजों पर दिखाई देते हैं। सनातन धर्म सदा से प्रकृति की पूजा करता आया है। चिंता की बात यह है कि आज सनातन धर्म के नाम पर ही पर्यावरण का विनाश हो रहा है। समाचार पत्रों से सूचना मिली है कि कांवड़ियों के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक विशिष्ट मार्ग का निर्माण किया जाना है, जिसके लिए 33 हजार वृक्षों को काटा जाएगा। इससे पर्यावरणवादियों को ही नहीं, आम जन को भी बहुत चिंता है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सूचित किया है कि गाजियाबाद, मेरठ और मुजफ्फरनगर में फैली 111 किलोमीटर लंबी कांवड़ मार्ग परियोजना के लिए 33 हजार से अधिक पूर्ण विकसित पेड़ों और लगभग 80 हजार पौधों को काटा जाएगा। गौरतलब है कि इस परियोजना में 10 बड़े पुल, 27 छोटे पुल और एक रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण शामिल है और इस परियोजना की लागत 658 करोड़ रु पये होगी। सोचने वाली बात है कि इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों को काटने की योजना ऐसे समय में आई है जब भारत के कई राज्य कई हफ्तों से भीषण गर्मी की चपेट में हैं। भीषण तापमान ने 200 से अधिक लोगों की जान ले ली है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा पहले यूपी सरकार को तीन जिलों में परियोजना के लिए कुल 1,10,000 पेड़-पौधों को काटने की अनुमति देने के बाद नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। इस मामले की अगली सुनवाई जुलाई, 2024 के लिए निर्धारित की गई है और एनजीटी ने यूपी सरकार से परियोजना का विस्तृत विवरण मांगा है, जिसमें काटे जाने वाले पेड़ों का विवरण भी शामिल है। हजारों पेड़ों की इस कदर निर्मम कटाई से क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। तापमान में वृद्धि जारी रहेगी, बारिश का पैटर्न भी बाधित होगा और हवा और भी जहरीली हो जाएगी। हमें विकास और पारिस्थितिक संरक्षण के बीच संतुलन बनाना होगा। परियोजना की पर्यावरणीय लागत की भरपाई के लिए यूपी सरकार ने ललितपुर जिले में वनीकरण के लिए 222 हेक्टेयर भूमि की चिन्हित की है, जो इस क्षेत्र से, जहां से पेड़ काटे जाएंगे काफी दूर है। क्या यह वनीकरण, कांवड़ यात्रा मार्ग पर शुरू होने जा रही परियोजना की लागत के अनुरूप मुआवजा होगा?

कुछ वन्य प्रेमी संस्थाओं ने इसका विरोध करते हुए एक ऑनलाइन याचिका भी दायर की है, जिसे हजारों लोगों का समर्थन मिल रहा है। पुरानी कहावत है कि विज्ञान की हर प्रगति प्रकृति के सामने बौनी होती है। प्रकृति एक सीमा तक मानव के अत्याचारों को सहती है पर जब उसकी सहनशीलता का अतिक्रमण हो जाता है तो वह अपना रौद्र रूप दिखा देती है। 2013 में केदारनाथ में बादल फटने के बाद उत्तराखंड में हुई भयावह तबाही और जान-माल की हानि से प्रदेश और देश की सरकार ने कुछ नहीं सीखा। आज भी वहां और अन्य प्रांतों के पहाड़ों पर तबाही का तांडव जारी है। चिंता की बात यह है कि हमारे नीति निर्धारक और सत्ताधीश इन त्रासदियों के बाद भी पहाड़ों पर इस तरह के विनाशकारी निर्माण को पूरी तरह प्रतिबंधित करने को तैयार नहीं हैं। वे आज भी समस्या के समाधान के लिए जांच समितियां या अध्ययन दल गठन करने से ही अपने कर्तव्य की पूर्ति मान लेते हैं। परिणाम होता है ढाक के वही तीन पात। खमियाजा भुगतना पड़ता है देश की जनता और देश के पर्यावरण को। हाल के हफ्तों में और उससे पहले उत्तराखंड की तबाही के दिल दहलाने वाले वीडियो टीवी समाचारों में देख कर आप और हम भले ही कांप उठे हों पर शायद सत्ताधीशों की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता। अगर पड़ता है तो वे अपनी सोच और नीतियों में आमूलचूल परिवर्तन कर भारत माता के मुकुट स्वरूप हिमालय पर्वत श्रृंखला पर विकास के नाम पर चल रहे इस दानवीय विनाश को अविलंब रोकें। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

जल्दी-जल्दी भोजन करना सेहत के लिए है नुकसानदायक

अगर आप हमेशा खाना जल्दबाजी में खाते हैं तो आपको बता दें कि यह आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक है। जल्दबाजी में खाना खाने से इसे पचाने में काफी दिक्कत होती है। इसके अलावा इससे खाने में मौजूद पोषक तत्व शरीर में ठीक से अवशोषित भी नहीं हो पाते हैं। इन कारणों से शरीर कई तरह की समस्याओं की चपेट में आ सकता है। चलिए आपको बताते हैं कि जल्दी-जल्दी खाना खाने से कौन-कौन सी बीमारियां हो सकती हैं।

बढ़ सकता है वजन

भले ही आप किसी भी कारणवश जल्दी में खाना खाएं, इसके कारण आपका वजन बढ़ना तय है और बढ़ता वजन अपने आप में ही एक गंभीर समस्या है। दरअसल, जल्दबाजी में खाना-खाने से दिमाग को पेट भरने का अहसास नहीं हो पाता है। ऐसे में आप ज्यादा खाना खा लेते हैं जो वजन बढ़ने या मोटापे का मुख्य कारण बन जाता है। इसलिए बढ़ते वजन से बचने के लिए खाने को हमेशा अच्छे से चबाकर ही खाएं।

हो सकता है मेटाबॉलिक सिंड्रोम

जल्दबाजी में खाना खाने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम होने की संभावना भी बढ़ सकती है। दरअसल, जल्दबाजी में खाना खाने से शरीर में रक्त शर्करा और कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ जाता है और ये दोनों समस्याएं मिलकर मेटाबॉलिज्म सिंड्रोम की स्थिति बना सकती हैं। इसमें मेटाबॉलिज्म का स्तर असंतुलित हो जाता है जो शरीर में अन्य कई समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। इसलिए कभी भी जल्दबाजी में खाना खाने की भूल न करें।

हो सकती है मधुमेह की समस्या

खाना खाने का गलत तरीका मधुमेह की समस्या का कारण भी बन सकता है, खासकर जल्दबाजी में खाना खाने की आदत टाइप-2 मधुमेह के खतरे को बढ़ा देती है। इससे इंसुलिन का प्रभाव कम होने के साथ-साथ रक्त शर्करा में भी इजाफा होता है। ऐसे में शरीर इंसुलिन की मात्रा को प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने में असमर्थ हो जाता है। मधुमेह से ग्रस्त लोगों को तो खाने की इस गलत आदत को तुरंत बदल लेना चाहिए। गैस की समस्या भी आमतौर पर खाने की गलत आदतों के कारण होती है। यह समस्या होने पर उल्टी, जी मचलाना, पेट में जलन, पेट में गुड़गुड़ाहट और सीने में दर्द जैसी परेशानियां हो सकती हैं। वहीं इस कारण गैस्ट्रोइंटस्टाइनल डिजीज होने का भी खतरा रहता है। यह गैस से संबंधित गंभीर समस्या है। इसलिए अगर आपकी जल्दबाजी में खाना खाने की आदत है तो इसे जल्द सुधारने की कोशिश करें।

फलों का सेवन करते समय कभी ना करें ऐसी गलती!

व्यक्ति को अच्छे स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन के लिए पोषण युक्त आहार की बहुत जरूरत पड़ती हैं। इसके लिए सभी के द्वारा सलाह दी जाती है फलों के सेवन की। क्योंकि फलों में सभी प्रकार के पोषण तत्व मौजूद होते हैं। इस प्रकार से देखा जाए तो सेहतमंद रहने के लिए हमें फलों का सेवन करना चाहिए। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर फलों का सेवन सही तरीके से ना किया जाए तो यह फायदा करने की जगह नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि कौन से फल को खाने का क्या तरीका है।

सेब : सेब एक अच्छा फल माना जाता है। इसमें आपको प्रचुर मात्रा में प्रोटीन तथा मिनरल्स मिलते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें कोलेस्ट्रॉल नहीं पाया जाता। आपको यदि सेब का पूरा फायदा लेना है तो आप इसको बिना छीले ही खाना चाहिए।

संतरा: यह विटामिन ए, सी, मिनरल्स, सोडियम, फॉस्फोरस तथा कैल्शियम का बड़ा स्त्रोत्र माना जाता है। यह आपके बालों तथा स्किन के लिए बहुत लाभकारी होता है। इसका सेवन करने के लिए आप इसको हमेशा दिन में ही खाएं। इसको आप कभी सुबह के समय या रात में न खाएं।

आम : आम को फलों का राजा कहा जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन बी-6, विटामिन ए, फाइबर, विटामिन सी जैसे तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं जो हमारे शरीर के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। यदि आप आम का सेवन करते हैं तो इस बात का ध्यान रखें की इसकी तासीर गर्म होती है अत: दूध के साथ इसका सेवन कभी न करें।

नारियल: इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन, फाइबर, कैल्शियम जैसे तत्व पाए जाते हैं। इसमें कोलेस्ट्रॉल तथा वसा नहीं होती हैं। अत: यह आपको मोटापे से बचाता है। सुबह के समय इसका सेवन अधिक अच्छा माना जाता है लेकिन ध्यान रखें कि आप खाली पेट इसका सेवन न करें।

त्वचा के लिए अमृत है पानी

पानी न केवल आपके शरीर के सभी अंगों को सही प्रकार कार्य करने में मदद करता है, बल्कि साथ ही साथ यह आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है।

हाईड्रेशन : पर्याप्त मात्रा में पानी पीना हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। इससे पाचन क्रिया अच्छी रहती है, संचार सुचारू रहता है और अन्य कई स्वास्थ्य परेशानियों से भी हमारा बचाव होता है। लेकिन, क्या आप इस बात से वाकिफ हैं कि पानी हमारी त्वचा के लिए भी जरूरी होता है। आपके लिए इससे जुड़े कुछ सवालों के जवाब लेकर आए हैं। हम आपको बताएंगे कि कैसे अपने शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी रखा जाए, ताकि त्वचा सुंदर और स्वस्थ बनी रहे।

सारा दिन कम होता है पानी : हमें दिन भर नियमित अंतराल पर पानी पीते रहना चाहिए। आखिर हमारे शरीर से लगातार पानी कम होता रहता है। यहां एक बात जानना और जरूरी है कि हम जो भी पानी पीते हैं वह त्वचा तक पहुंचने से पहले हमारे

शरीर के अन्य अंगों तक पहुंच जाता है। तो, ऐसे में त्वचा का बाहर से खयाल रखना भी जरूरी होता है।

डिहाइड्रेशन है खतरनाक : अगर त्वचा में पानी की अधिक कमी हो जाए, तो इससे वह रूखी, सख्त और पपड़ीदार हो जाती है। रूखी त्वचा पर झुर्रियां और अन्य प्रकार के नुकसान होने की आशंका अधिक होती है। तो, अपनी त्वचा को किसी प्रकार के नुकसान से बचाने के लिए जरूरी है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।

त्वचा को भी चाहिए पानी : शरीर के अन्य अंगों की तरह हमारी त्वचा को भी पानी की जरूरत होती है। हमारी त्वचा पानी से बनी कोशिकाओं से निर्मित होती है। शरीर के अन्य अंगों की तरह, हमारी त्वचा को भी सही प्रकार से काम करने के लिए पानी की जरूरत होती है।

मॉश्चराइजर : अपनी त्वचा में नमी का जरूरी स्तर बनाए रखने के लिए जरूरी है कि रोज रात को मॉश्चराइजर लगाकर सोएं। इससे आपकी त्वचा को अच्छा पोषण मिलेगा। केमिकल उत्पादों के उपयोग से बचें। स्वस्थ त्वचा के लिए कुदरती उत्पादों का उपयोग करना बेहतर रहेगा।

एक्सफोइलेट और हाइड्रेट : आपको अपनी त्वचा को सिर्फ हाइड्रेट करने की ही जरूरत नहीं होती, बल्कि उसका रुखापन भी दूर करने की जरूरत होती है। साथ ही साथ आपको मृत कोशिकाओं को हटाना भी होता है। आप अपनी त्वचा पर मॉश्चराइजर लगाकर इस समस्या से निजात पा सकते हैं। इससे आपकी त्वचा का रूखापन और क्रेक कम हो सकते हैं। अपनी त्वचा को स्वस्थ बनाये रखने के लिए इस क्रिया को नियमित रूप से दोहराया जाना जरूरी है।

नीट परीक्षा की पवित्रता पर प्रश्निनचिन्ह

अजय दीक्षित

देश के प्राइवेट और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एन.टी.ए) नीट परीक्षा आयोजित कराती है । (नेशनल एलिजिबिलिटी और इन्टरैंस टेस्ट) । इस वर्ष यह परीक्षा 7 मई को आयोजित हुई थी । परीक्षा के तत्काल बाद अनेक शहरों के छात्र-छात्राओं ने परीक्षा रद्द करके पुनः परीक्षा की मांग की । शुरू में तो केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने परीक्षा की पवित्रता पर प्रश्नचिन्ह उठाने वालों को नकारा । पर जैसे-जैसे समय बीतता गया मालूम हुआ कि वास्तव में पेपर लीक हुआ था । पिछले दिन बिहार में पकड़े गये एक छात्र ने बतलाया कि परीक्षा से पहली रात उसे जिन प्रश्नों के उत्तर रटवाये गये थे, अगले दिन परीक्षा में हू-ब-हू वही प्रश्न आये । इस छात्र का कहना है कि उसके फूफा ने उसे एक रात पहले कोटा से पटना बुलाया और उसे बिचौलिए ने लगभग 25-30 लाख रुपये लिये । अब पुलिस को धरपकड़ में और भी छात्र-छात्राओं ने स्वीकारा कि उन्हें पर्चा पहले से मालूम था ।

असल में टेस्ट की पूरी प्रक्रिया क्या है ? किसी एक व्यक्ति से पहले पेपर बनवाया जाता है । अब कहा जा रहा है कि कई व्यक्ति पेपर बनाते हैं और फिर कोई एक वरिष्ठ इन सभी प्रश्न पत्रों को मिलाकर एक नया पेपर तैयार करता है । इस व्यक्ति की विश्वसनीयता पर कोई शक नहीं कर सकता क्योंकि यह व्यक्ति बहुत वरिष्ठ और निष्ठावान होता है । अब प्रश्न पत्र टाइपकिया जाता है । कहा जाता है कि जो इसे टाइप करता है उसे परीक्षा होने तक एक प्रकार से कैद में रखा जाता है । या उस पर पूरी निगरानी रखी जाती है । अब प्रश्न पत्र छपने के लिए किसी प्रिंटिंग प्रेस को भेजा जाता है । इस प्रेस का नाम भी कोई नहीं जान सकता ।

फिर पेपर कहां से लीक होता है? कहते हैं कि विभिन्न केन्द्रों में जो पेपर पहले भेज दिये जाते हैं, उन केन्द्रों से कहीं पेपर पहले खोल कर उसे लीक किया जाता है । यद्यपि यह भी असंभव लगता है क्यों कि परीक्षा के दिन पेपर पर पर्यवेक्षकों के सामने खोल जाता है और उनके हस्ताक्षर लिये जाते हैं । फिर हर सेंटर पर एन.टी.ए. का एक प्रतिनिधि भी रहता है ? शायद पेपर बनाने वाले या टाइप करने वाले या केन्द्र से पेपर लीक होता है । इसकी जो जांच हो रही है वह गोपनीय है । अतः विश्वास पूरक यह कहना कठिन है कि पेपर कहीं से लीक होता है । बिहार, गुजरात और अन्यत्र पकड़े गये लडके और लड़कियों ने स्वीकारा है कि उन्हें परीक्षा की पहली रात पेपर रटाया गया था, अब कहते हैं कि इस माफिया ग्रुप के कई करोड़ का लेन-देन प्रकट हुआ है ।

यह प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में भी चल रहा है । 20 जून को हुई सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के बाद अब आगामी तारीख 7 जुलाई को दी गई है । सुप्रीम कोर्ट ने चयन के लिए होने वाले साक्षात्कार पर रोक लगाने से अभी मना कर दिया है । पर जिस तरह से कुछ छात्रों ने पेपर लीक को स्वीकारा है तो क्या यह परीक्षा रद्द होगी । चलते-चलते खबर आई है कि यू.जी.सी. की नेट परीक्षा जो 16 जून को हुई थी उसे यू.जी.सी. ने निरस्त कर दिया है क्योंकि मंत्रालय को शक है कि परीक्षा में गड़बड़ी हुई है ।

असल में इस परीक्षा के लिए विद्यार्थी बहुत मेहनत करता है । जो ज्यादा अंक पाते हैं उन्हें सरकारी मेडिकल कॉलेज मिल जाता है । यहां फीस भी कम लगती है और पढ़ाई का स्तर भी काफी ऊंचा है । प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में फीस कई गुना ज्यादा है और वहां की फैकल्टी भी उतनी अच्छी नहीं होती । इससे आगे चलकर उस विद्यार्थी को पी.जी. में प्रवेश भी नहीं मिल पाता । सरकारी मेडिकल कॉलेज में पढ़े हुए को नौकरी भी अच्छे अस्पतालों में मिल जाती है ।

कुल प्रश्न बच्चों की मेहनत का है । कोटा या अन्यत्र इतना पैसा खर्च करके विद्यार्थी जो तैयारी करता है, वह व्यर्थ जाती है यदि परीक्षा रद्द कर दी जाती है । आगे आने वाले दिनों में ही पता चलेगा कि सरकार क्या निर्णय लेती है और सुप्रीम कोर्ट क्या फैसला सुनाता है ।

परन्तु कुल मिलाकर देश के युवाओं के साथ नीट परीक्षा में खिलवाड़ ही हुआ है? शायद भविष्य में सरकार और सख्त कदम उठाये क्यों कि मोदी जी किसी भी भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलरेंस रखते हैं ।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें । पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें । भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी ।

–प्रबंधक विज्ञापन

खाते वक्त बंद कर दें अपना फोन, वरना शरीर में आ सकती हैं कई खतरनाक बीमारियां

हर पल साथ रहने वाला फोन ही हमें बीमार बना रहा है। इसकी वजह से कई तरह की समस्याएं हो रही हैं। इतना ही नहीं पेट में भी एक खतरनाक बीमारी फैल रही है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आजकल हम अपने गैजेट्स हर जगह लेकर जाते हैं। यहां तक कि बाथरूम में भी इसे नहीं छोड़ते हैं। जिसकी वजह से गैजेट्स पर कई बैक्टीरिया पाए गए हैं, जिनसे बीमारियां फैल सकती हैं।

फोन से हमेशा हीट निकलती है, ऐसे में यह बैक्टीरिया के लिए सबसे सुरक्षित जगह होती है। स्क्रीन पर बैक्टीरिया के अलावा वायरस, फंगी और प्रोटोजोआ भी जम जाते हैं, जिनसे डायरिया, फूड पॉइजनिंग, सांस की बीमारी और स्किन इंफेक्शन का खतरा हो सकता है।

किन-किन लोगों को खतरा

फिटनेस ट्रैक करने के लिए स्मार्ट वॉच पहनने वालों को भी सावधान रहना चाहिए। इसके बैंड और स्क्रीन पर भी कई तरह के खतरनाक बैक्टीरिया पो जाते हैं, जो स्किन इंफेक्शन, टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम, ब्लड, लंग्स में निमोनिया या अन्य अंगों में इंफेक्शन और दस्त की वजह बन सकते हैं। ऐसे लोग जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है, उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचता है। कई-कई घंटों तक ईयरफोन या ईयरपॉड पहने रहने से कान का तापमान और नमी बढ़ जाती है, जिससे संक्रमण का रिस्क रहता है।

फूड इंफेक्शन होने का डर

स्मार्टफोन की सतह पर स्टैफिलोकोकस ऑरियस नाम का जीवाणु मिलता है। इसे स्टैफ भी कहा जाता है, जो स्किन इंफेक्शन को बढ़ा सकता है। इस बैक्टीरिया के संपर्क में आने से फूड पॉइजनिंग का खतरा भी रहता है, इसलिए खाने के समय गैजेट्स का इस्तेमाल बिल्कुल भी न करें, क्योंकि गैजेट्स के जरिए बैक्टीरिया हाथ, चेहरे और मुंह तक आसानी से पहुंच सकता है।

पेट और यूटीआई के लिए जोखिम भरा

फोन या गैजेट्स पर एस्चेरिचिया कोलाई या ई-कोलाई नाम के बैक्टीरिया भी पाए जाते हैं, जो गंभीर संक्रमण पैदा कर सकते हैं। इसकी वजह से गंभीर दस्त, यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन और किडनी की बीमारी हो सकती है। स्ट्रेप्टोकोकस पायोजेन्स बैक्टीरिया गले और स्किन इंफेक्शन को बढ़ा सकता है।

ये फोन की सतहों पर लंबे समय तक जिंदा रहते हैं। इससे इनके फैलने का खतरा भी ज्यादा होता है। फोन पर स्यूडोमोनस ऐरुगिनोसा बैक्टीरिया भी पाया जाता है, जो सांस में इंफेक्शन, यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन और ब्लड इंफेक्शन का कारण बन सकता है।

फोन को लेकर क्या सावधानी बरतें

एक रिसर्च के मुताबिक, 26 मोबाइल फोन पर 11,163 माइक्रो जीव पाए गए हैं, जो खतरनाक तरह की बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इससे बचने के लिए कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। गैजेट की स्क्रीन और बैक कवर को माइक्रोफाइबर कपड़े या अल्कोहल वाइप्स से रोजाना सही तरह से साफ करें।

बाथरूम या गंदी जगहों पर फोन का इस्तेमाल न करें।शरीर की साफ-सफाई का ध्यान दें। मोबाइल इस्तेमाल करने के बाद फेस, नाक, आंख या मुंह छूने से बचें। अपना फोन किसी के साथ शेयर न करें। ईयरफोन का यूज 1 घंटे से ज्यादा समय तक लगातार न करें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -132

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

1	2		■	■	3	■	■	■
4		■	5			6	■	7
■	8			■	9			
10	■	■		■	■		■	
11				■	12			■
	■		■	13		■	14	
16	17		■	18				■
■		■	19			■	■	20
21		■		■	■	22		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 131का हल

पं	त्ति	■	स्वा	द	■	स	ब	ब
जा	■	सु	हा	ना	■	■	ली	द
ब	हु	धा	■	द	ल	ना	■	ल
■	■	क	मा	न	■	ग	ह	ना
भं	व	र	■	■	■	वा	म	■
गी	त	■	म	ज	बू	र	■	ट
■	न	म	स्का	र	■	■	■	र
■	■	र्या	■	■	बी	■	ना	का
सं	वि	दा	■	ब	स	च	ल	ना

चिरंजीवी स्टारर विश्वंभरा में एक्टर कुणाल कपूर भी हुए शामिल

मेगा स्टार चिरंजीवी की फैंटेसी एडवेंचर फिल्म विश्वंभरा काफी चर्चाओं में हैं। फिल्म को लेकर अक्सर नए-नए अपडेट सामने आ रहे हैं। इस कड़ी में फिल्म के कलाकारों में एक और नाम जुड़ा है। मेकर्स ने नाम का खुलासा करते हुए बताया कि मशहूर एक्टर कुणाल कपूर इस फिल्म की कास्ट में शामिल हो गए हैं। उन्हें इस फिल्म के अहम किरदार को निभाने के लिए साइन किया गया है। यह फिल्म संक्रांति 2025 पर रिलीज होने वाली है। कलाकारों में त्रिशा कृष्णन और आशिका रंगनाथ भी शामिल हैं।

इंस्टाग्राम पर कुणाल ने लिखा, इस फिल्म में मैं चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने के लिए बेहद एक्साइटेड हूं। एक ऐसे व्यक्ति के साथ स्क्रीन शेयर करने का अवसर मिला है, जिसका मैं बचपन से ही बहुत बड़ा फैन रहा हूं।

विक्रम, वामसी और प्रमोद की प्रशंसित तिकड़ी और यूवी क्रिएशंस के बैनर तले निर्मित विश्वंभर में ऑस्कर विजेता संगीतकार एम.एम. कीरवानी का संगीत होगा।

हाल ही में फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। इसमें चिरंजीवी का लुक भी सामने आया, जो एक्शन सीक्वेंस से बताया जा रहा है। फोटो में वह रेड कलर की शर्ट और जीन्स पहने नजर आ रहे हैं। उन्होंने गले में चेन, एक हाथ में घड़ी और आंखों पर काला चश्मा लगाया है।

फिल्म के एक्शन सीक्वेंस को पॉपुलर स्टंट कोरियोग्राफर की जोड़ी राम-लक्ष्मण कोरियोग्राफ कर रहे हैं। खबर है कि इस एक्शन सीक्वेंस के लिए मेकर्स ने 3 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। विश्वंभरा 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी।

बात करें अगर कुणाल कपूर की, तो वो एक्टर के साथ-साथ बिजनेसमैन भी हैं। वह टॉप क्राउड-फंडिंग प्लेटफॉर्म केटो के को-फाउंडर हैं। उन्होंने 2012 में बिजनेस पार्टनर जहीर अडेनवाला और वरुण सेठ के साथ मिलकर केटो की स्थापना की थी।

कुणाल के पिता किशोर कपूर बिजनेसमैन और मां सिंगर थीं। उन्होंने कम उम्र में ही एक्टर बनने का सपना देखा। इसके लिए उन्होंने एक्टिंग स्कूल में एडमिशन लिया और नसीरुद्दीन शाह के थिएटर ग्रुप मोटले से भी शामिल हुए। उन्होंने फिल्म अक्स में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया। इसके बाद वह साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म मीनाक्षीः ए टेल ऑफ थ्री सिटीज में तब्बू के साथ नजर आए थे। उन्होंने आमिर खान स्टारर फिल्म रंग दे बसंती में काम किया। वह लागा चुनरी में दाग, आजा नचले, डॉन 2, वेलकम टू सज्जनपुर, हैट्रिक, डियर जिंदगी और बचना ए-हसीनों जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं।

थलापति विजय के फिल्म गोट का एक्शन फुल टीजर रिलीज

साउथ सिनेमा स्टार विजय थलापति के 50वें बर्थडे के मौके पर एक्टर ने अपने फैंस को अपनी नई फिल्म गोट से नया तोहफा दिया है। थलापति विजय की फिल्म गोट मौजूदा साल में ही रिलीज होगी और अपने बर्थडे के मौके पर एक्टर ने अपने फैंस को खाली हाथ नहीं जाने दिया है। एक्टर ने अपनी फिल्म गोट से अपना एक्शन और स्टंटफुल टीजर शेयर किया है। इस टीजर में थलापति विजय का डबल रोल दिख रहा है, जिसे देखने के बाद विजय के फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं हैं।

इस टीजर की शुरुआत ही एक्शन से होती है और विजय के पीछे कुछ बाइकर्स और कार मैन पड़े हैं और विजय अपनी ही धुन में बाइक को एक्शन में दौड़ा रहे हैं। वही, टीजर का आखिरी सीन सबसे ज्यादा सरप्राइजिंग और रोंगटे खड़े करने वाला है। टीजर के आखिर में एक्टर का बाइक पर टर्न और एक्टर का डबल रोल दिखना फैंस के लिए किसी सरप्राइजिंग अवतार से कम नहीं है।

गोट के मेकर्स ने बीते दिन सॉन्ग चिन्ना-चिन्ना कंगल का एक पोस्टर शेयर कर इसकी जानकारी दी थी और एक पोस्टर भी शेयर किया था। इस पोस्टर में विजय बतौर रोल अपनी फैमिली के साथ दिख रहे थे। फिल्म को वेंकट प्रभु ने डायरेक्ट किया है और फिल्म आगामी 5 सितंबर को रिलीज होन जा रही है।

शॉर्ट ड्रेस पहन अनन्या पांडे ने गिराई हुस्न की बिजलियां

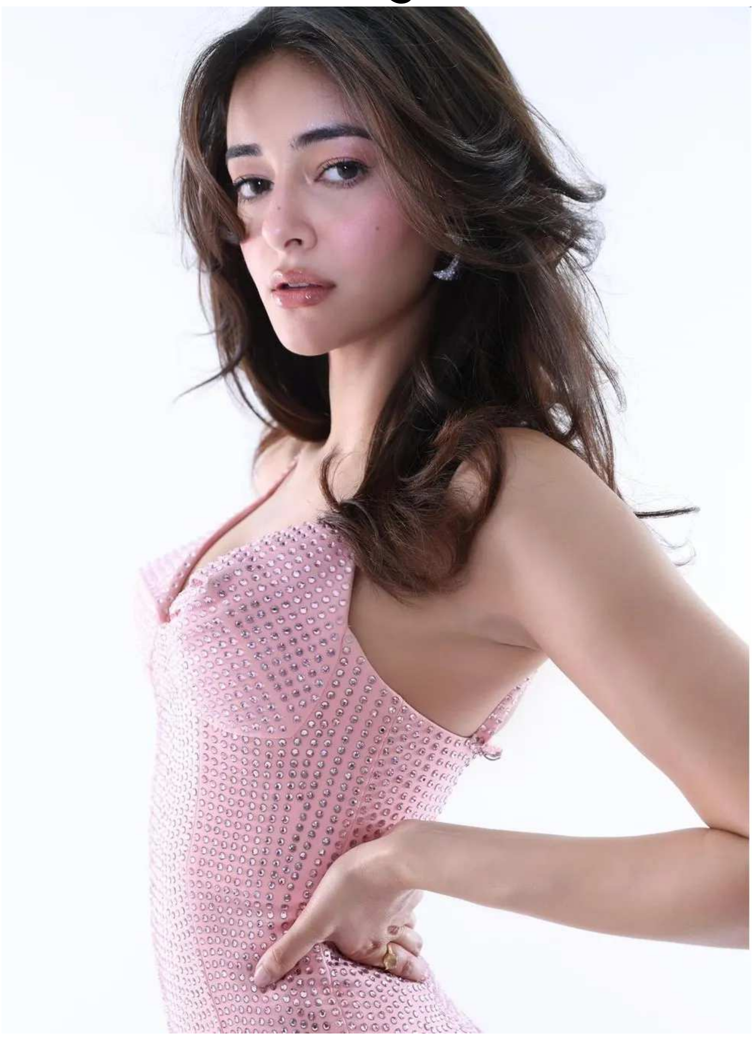

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे हमेशा अपने स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों मे वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान समर लुक शेयर किया है, जिसमें उनका कूल लुक फैंस के बीच कहर ढा रहा है।

एक्ट्रेस अनन्या पांडे आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।

इन तस्वीरों में उनका हॉट समर लुक फैंस के बीचकाफी ज्यादा ट्रेंड कर रहा है। अनन्या पांडे ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है।

फोटो में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनन्या पांडे कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर लुक में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। अनन्या पांडे जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। फैंस भी उनकी फोटोज की तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।

एक्ट्रेस की इन फोटोज पर भी लोग कॉमेंट्स करते हुए हॉट, ब्यूटिफुल, अमेजिंग, सो ग्लैमरस, बेहद खूबसूरत, एलिगेंट लुक लिख रहे हैं।

तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

अनन्या पांडे सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस का फैशन सेंस भी काफी कमाल का है। फैंस भी उनके हर एक स्टाइल को काफी ज्यादा फॉलो करते हैं।

पिंक लहंगे में बला की खूबसूरत लगीं अवनीत कौर

बी-टाउन की टॉप चाइल्ड एक्ट्रेस अवनीत कौर की सोशल मीडिया पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो अक्सर सोशल मीडिया का पारा गर्म कर देती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट पिंक कलर के आउटफिट में फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वो बला की खूबसूरत नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।

उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है।

अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान पिंक कलर का सिंपल सा लहंगा पहना हुआ है और साथ ही हॉल्टर नेक डिजाइन वाले ब्लाउज से पूरे लुक को टिमअप किया है।

कानों में इयररिंग्स, बालों का बन बनाकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अवनीत कौर कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए इंटरनेट का पारा बढ़ा रही हैं।

बता दें चाहे इंडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक एक्ट्रेस अवनीत कौर अपने हर लुक में कहर ढाती हैं। उनका स्टनिंग लुक फैंस के बीच आते ही ट्रेंड करने लगता है।

अवनीत कौर का ये ग्लैमरस लुक और आउटफिट कोई भी फंक्शन के लिए एकदम परफेक्ट है।

मोदी गठबंधन पूर्व गठबंधन सरकारों से अलग

अवधेश कुमार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार ने अपना काम शुरू कर दिया है । भारत में गठबंधन सरकारों के काम करने और उसके संचालन का अनुभव बहुत अच्छा नहीं रहा है। गठबंधन में सरकार का नेतृत्व करने वाले दल और नेता पर साथी दल अधिक से अधिक मंत्री बनाने और जिन्हें वो चाहते हैं उन्हें मंत्री के रूप में स्वीकार करने तथा बाद में अपने अनुसार नीतियां बनवाने या बदलवाने के लिए दबाव डालते रहें। अपनी बात न मानने पर समर्थन वापसी तथा सरकार के अस्थिर होने, गिर जाने, कमजोर हो जाने की घटनाएं भी हमने देखी हैं।

जानते और चाहते हुए भी कई बार प्रधानमंत्री को नीतियों के स्तर पर वैसे कदम उठाने से स्वयं को रोकना पड़ा या उठाए हुए कदम वापस लेने पड़े जो देश के लिए आवश्यक थे। डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान ऐसी कई घटनाएं हुई। इसमें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान गठबंधन सरकार को लेकर कोई आशंका उठती है तो उसे इस पृष्ठभूमि में तत्काल खारिज भी नहीं किया जा सकता। हालांकि विपक्ष इसे कमजोर व लंगड़ी सरकार बता रहा है, प्रधानमंत्री मोदी के बारे में यह टिप्पणी कर रहा है कि वे शेर से बकरी हो गए हैं तो उससे पूछा जाना चाहिए कि इसके समानांतर अगर सत्ता में वे आते तो उनकी सरकार कैसी होती? कम से कम इस सरकार में एक इतनी बड़ी पार्टी है जिसके आसपास भी कोई दल नहीं। राहुल गांधी जी के शब्दों में अगर यह क्रिपल्ड सरकार है तो 'इंडिया' की सरकार क्या ठोस चट्टान वाली होती?

कहने का तात्पर्य कि हमें आशंकाओं या विपक्ष की अतिवादी आलोचनाओं में जाने की जगह वास्तविकताओं के आधार पर इसके वर्तमान एवं भविष्य का आकलन करना चाहिए। इस प्रश्न का उत्तर तलाशना चाहिए कि आखिर अब मंत्रिमंडल गठन के बाद सरकार कैसे काम करेगी? सरकार की दिशा और दशा क्या होगी? यह बात सही है कि हमने पिछले 1० वर्षों में ऐसी मोदी सरकार देखी है जिसके पास अपनी भाजपा का बहुमत था और ऐसे बड़े फैसले हुए, कदम उठाए गए, संवैधानिक-प्रशासनिक एवं नीतियों के स्तर पर ऐसे आमूल बदलाव के निर्णय हुए जिनकी पहले कल्पना नहीं थी। स्वयं सरकार को और देश को 1० वर्षो के इस अभ्यास से बाहर निकालना कठिन होगा, लेकिन क्या वाकई इससे बाहर निकालने की अभी ही आवश्यकता महसूस होती है या संभावना दिखाई देती है? ध्यान रखिए कि पूर्व की गठबंधन सरकारों की तरह इस सरकार के गठन, मंत्रियों को सरकार में लेने या विभागों के बंटवारे में किसी तरह का खींचतान हमारे सामने नहीं आया। यह अन्य गठबंधन सरकारों से इसे अलग करता है। 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में साथी दलों के 11 मंत्रियों का होना ऐसी संख्या नहीं है जिसे लेकर इस आरोप को स्वीकार कर लिया जाए कि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह पर साथी दलों का बहुत ज्यादा दबाव था। दूसरे, विभागों के बंटवारे में भी देखें तो जिन्हें जो मिला उसे लेकर कम से कम सार्वजनिक स्तर पर किसी ने भी अपना असंतोष प्रकट नहीं किया है। ज्यादातर का बयान यही है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश को विश्व की शीर्ष शक्ति बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

गठबंधन सरकारों में साथी दलों के नेता इस तरह बेहिचक प्रधानमंत्री का नाम नहीं लेते थे। तीसरे, इस सरकार की सबसे बड़ी विशेषता है, शीर्ष मंत्रालयों में फेरबदल न होना। आप देख लीजिए प्रधानमंत्री के बाद गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, वित्त मंत्रालय , विदेश मंत्रालय यहां तक कि शिक्षा मंत्रालय, सडक् परिवहन मंत्रालय आदि उन्हीं वरिष्ठ मंत्रियों के हाथ में है। सरकार गठन के पहले मीडिया में साथी दलों द्वारा अलग-अलग मंत्रालयों के मांग की अटकलें आ रही थी, जिनमें बिहार द्वारा रेल मंत्रालय की मांग शामिल थी।

हालांकि इसकी कहीं से पुष्टि नहीं हुई। कहने का यह अर्थ नहीं कि साथी दलों की अपनी राजनीतिक आवश्यकताओं और महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप चाहत नहीं होगी और उन्होंने प्रधानमंत्री या अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं के समक्ष अपनी बात रखी ही नहीं होगी। आगे भी वह अपनी बात नहीं रखेंगे ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। मूल बात है जिद पर अडऩा और सरकार को मजबूर करके अपने अनुकूल निर्णय बदलवा लेना। उदाहरण के लिए यूपीए सरकार में तृणमूल कांग्रेस की ओर से रेल मंत्री बने दिनेश त्रिवेदी ने अपने बजट में यात्रियों का जैसे ही किराया बढ़ाया ममता बनर्जी बिफर गई। उन्होंने न केवल बजट में परिवर्तन करने बल्कि रेल मंत्रालय से हटाने का फरमान सुनाया और मनमोहन सरकार को ऐसा ही करना पड़ा। कम से कम वह स्थिति इस समय सरकार में नहीं दिख रही है।

इसी तरह किसी सरकार के नेतृत्वकर्ता की अपनी आभा, देश और काम के प्रति समर्पण तथा उसका दृष्टिकोण व लक्ष्य सबसे ज्यादा प्रभावकारी होता है। इस मायने में प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व अन्य कई प्रधानमंत्रियों से अलग है। साथी दलों में जद (यू) और तेलुगू देशम पहले भी केंद्र और प्रदेश में साथ काम कर चुकी है। उन्हें पता है कि प्रधानमंत्री देश के लिए व्यापक विजन रखते हैं उसमें सभी राज्यों के विकास की उनकी कल्पना है। तो उन्हें नीतियों को लेकर कोई संभ्रम नहीं होगा।

वैसे, आमतौर पर गठबंधन सरकारों में यह मांग होती है कि कॉमन मिनिमम प्रोग्राम यानी समान न्यूनतम कार्यक्रम बनाकर आगे काम किया जाए। न राजग के नेताओं ने चुनाव में जाने के पहले ऐसी मांग की और न सरकार गठन के पूर्व। भाजपा को बहुमत न मिलने के बाद उनके पास इसका अवसर था और वैसा कर सकते थे। अगर उन्होंने मांग नहीं किया तो इसका अर्थ यही है कि पूर्व सरकार की ओर से जो एजेंडा रखा गया है उससे वह सहमत हैं। यह भी ध्यान रखिए कि भाजपा ने पिछले 1० सालों में अपने हिंदुत्व व राष्ट्रवाद संबंधी एजेंडा पर खुलकर काम किया है और शेष कार्यों के लिए उन्होंने घोषणाएं भी की है। इस समय भविष्य की तस्वीर के बारे में निश्चितता के साथ पूरी तरह भविष्य की तस्वीर बनाने की बजाय हमें थोड़ी प्रतीक्षा करनी चाहिए। हां , इतना अवश्य कहा जा सकता है कि पूर्व की गठबंधन सरकारों से वर्तमान मोदी गठबंधन सरकार अपने चरित्र, आंतरिक संरचना व सामूहिक मनोविज्ञान आदि के स्तर पर काफी हद तक अलग है।

सख्त कानून लागू

सरकार ने पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2०24 लागू कर दिया है। इस एंटी-पेपर लीक कानून के तहत पेपर लीक या उत्तर-पुस्तिका से छेड़छाड़ करने पर कम से कम तीन साल की सजा होगी जिसे दस लाख तक के जुर्माने के साथ बढ़ा कर पांच साल तक भी किया जा सकता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू चार महीने पहले ही लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक, 2०24 को मंजूरी दे चुकी थीं। इस कानून का उद्देश्य यूपीएससी, एसएससी, रेलवे, बैंकिंग भर्ती परीक्षाओं और एनटीए द्वारा आयोजित अन्य तमाम परीक्षाओं में अनुचित साधनों के प्रयोग को रोकना है।

इस तरह के संगठित अपराध में शामिल लोगों पर अब न्यूनतम एक करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। इस कानून से पहले राज्यों में नकल रोकने और परीक्षा में किसी भी तरह की धांधली को रोकने संबंधी कानून बनाए गए हैं।

ओडिशा, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात और उत्तराखंड में ऐसे कानून हैं। हालांकि ये उस तरह के नतीजे देने में असफल रहे हैं, जिनके बलबूते परीक्षाओं को पारदर्शी बनाया जा सके।

इस नये कानून द्वारा परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था के प्रमुख और सदस्यों को लोक सेवक माना जाएगा ताकि उनके खिलाफ अपराध के साथ ही भ्रष्टाचार का मामला भी चलाया जा सके। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं पर उठने वाली उंगलियों के कारण युवाओं का भरोसा लगातार टूट रहा है।

बार-बार परीक्षा प्रणालियों पर संदेह और उनकी पारदर्शिता धूमिल पडने् के चलते प्रतियोगियों में निराशा व्याप्त होती जा रही है। चूंकि अब यह संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध की श्रेणी में आ गया है, इसलिए कोई भी पुलिस अधिकारी बगैर वारंट भी अपराधी को गिरफ्तार कर सकता है।

भले ही यह फैसला लेने में सरकार ने काफी ढिलाई बरती है लेकिन देर आयद दुरुस्त आयद क्योंकि उच्च शिक्षा या नौकरी के लिए परीक्षार्थियों का समूचा भविष्य ही दांव पर लगा होता है। परीक्षाओं में धांधली होनहार युवाओं को नैतिक तौर पर बुरी तरह तोड़ देती है।

हालांकि सख्त कानून बनाने में वक्त लगता है। विशेषज्ञों की राय और विभिन्न दृष्टिकोणों से इसे उस सख्ती से लागू किया गया ताकि भविष्य में इस तरह का कोई संकट ही न खड़ा हो सके। साथ ही, इस तरह के अपराधियों पर लगाम कसी जा सके। देखा जाना है कि कानून सख्त किए जाने के बाद पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधलियों पर नकेल कसने में हम किसने सफल होते हैं। (आरएनएस)

अब जरुरी हो गया है बाल श्रम रोकना

रमेश सर्राफ धमोरा

दुनिया भर में 73 मिलियन बच्चे खतरनाक काम करते हैं। खतरनाक श्रम में मैनुअल सफाई, निर्माण, कृषि, खदानों, कारखानों तथा फेरी वाला एवं घरेलू सहायक इत्यादि के रूप में काम करना शामिल है।

किसी देश के बच्चे अगर शिक्षित और स्वस्थ्य होंगे तो वह देश उन्नति और प्रगति करेगा और देश में खुशहाली आएगी। लेकिन अगर बच्चे बचपन से ही किताबों को छोड़कर कल- कारखनों में काम करने लगेंगे तो देश समाज का भविष्य उज्ज्वल नहीं होगा। देश में आज भी करोड़ों बच्चे स्कूलों की बजाए कल- कारखानों, ढाबों और खतरनाक कहे जाने वाले उद्योगों में कार्य कर रहे हैं। जहां दो पेट के भोजन की शर्त पर उनका बचपन और भविष्य तबाह हो रहा है।

बाल श्रम लगातार एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। जिसके कारण बच्चों का बचपन गर्त में जा रहा है और उनको अपना अधिकार नहीं मिल पा रहा है। यह दिवस बाल श्रम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और इसको पूरी तरह से समाप्त करने के लिए व्यक्ति, गैर सरकारी संगठन एवं सरकारी संगठनों को प्रेरित करने के लिए मनाया जाता है। इस साल विश्व बाल श्रम निषेध दिवस का थीम है आइए अपनी मांगों पर कार्य करें बाल श्रम समाप्त करें! इस दिन जागरूकता बढ़ाने, बदलाव की पहल करने और बाल श्रम से मुक्त भविष्य की दिशा में योगदान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है। संयुक्त राष्ट्र ने बाल श्रम पर कहा है कि पिछले तीन दशकों के इस समस्या से निपटने के लिए कई प्रयास किए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, अगर मूल कारणों को दूर कर दिया जाए तो बाल श्रम को खत्म किया जा सकता है। बाल मजदूरी उन्मूलन के लिए दुनिया भर में 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया जा रहा है। बाल मजदूरी के खिलाफ जागरूकता फैलाने और 14 साल से कम उम्र के बच्चों को इस काम से निकालकर उन्हें शिक्षा दिलाने के उद्देश्य से साल 2००2 में द इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की ओर से इस दिवस की शुरूआत की गई थी। बाल श्रम के खात्मे के लिए आज के दिन श्रमिक संगठन, स्वयंसेवी संगठन और सरकारें तमाम आयोजन करती हैं। इन सबके बावजूद बाल मजदूरी पर लगाम नहीं लग पा रही है। वर्तमान में देश के विभिन्न क्षेत्रों में छोटे स्तर पर होटल, घरों व फैक्ट्री में काम कर या अलग-अलग व्यवसाय में मजदूरी कर लाखों बाल श्रमिक अपने बचपन को तिलांजलि दे रहें हैं, जिन्हें न तो किसी कानून की जानकारी है और ना ही पेट पालने का कोई और तरीका पता है। बाल श्रम की समस्या का मुख्य कारण है निर्धनता और अशिक्षा है। जब तक देश में भुखमरी रहेगी तथा देश के नागरिक शिक्षित नहीं होंगे तब तक इस प्रकार की समस्याएं ज्यों की त्यों बनी रहेंगी। देश में बाल श्रमिक की समस्या के समाधान के लिये प्रशासनिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सभी स्तरों पर प्रयास किया जाना आवश्यक हैं। यह आवश्यक है कि देश में कुछ विशिष्ट योजनाएं बनाई जाएं तथा उन्हें कार्यान्वित किया जाए जिससे लोगों का आर्थिक स्तर मजबूत हो सके और उन्हें अपने बच्चों को श्रम के लिये विवश न करना पड़े।

प्रशासनिक स्तर पर सख्त से सख्त निर्देशों की आवश्यकता है जिससे बालश्रम को रोका जा सके। व्यक्तिगत स्तर पर बाल श्रमिक की समस्या का निदान हम सभी का नैतिक दायित्व है। इसके प्रति हमें जागरूक होना चाहिये तथा इसके विरोध में सदैव आगे आना चाहिये। पूरी दुनिया के लिये बाल श्रम की समस्या एक चुनौती बनती जा रही है। विभिन्न देशों द्वारा बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाने के लिये समय समय पर विभिन्न प्रकार के कदम उठाए गए हैं। बाल श्रम को काबू में लाने के लिये विभिन्न देशों द्वारा प्रयास किये जाने के बाद भी इस स्थिति में सुधार न होना चिंतनीय है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट से पता चलता है कि बाल श्रम को दूर करने में हम अभी बहुत पीछे हैं। दुनिया भर में 73 मिलियन बच्चे खतरनाक काम करते हैं। खतरनाक श्रम में मैनुअल सफाई, निर्माण, कृषि, खदानों, कारखानों तथा फेरी वाला एवं घरेलू सहायक इत्यादि के रूप में काम करना शामिल है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

लापरवाही बरतने वाले ठेकेदार के विरुद्ध हो कड़ी कार्यवाही:धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि निर्माणधीन स्टेडियम में कार्य कर रहे लापरवाह ठेकेदार के खिलाफ कडी कार्यवाही होनी चाहिए। आज यहां पीड़ित परिवार से मिलने व निर्माणाधीन स्टेडियम का निरीक्षण करने के बाद उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने पत्रकारों से बातचीत करते कहा कि प्रेमनगर में दशहरा ग्राउंड में निर्माणाधीन स्टेडियम में गड्ढे में गिरने से मरने वाले बच्चे के परिवार को उचित मुआवजा मिलना चाहिए और निर्माणाधीन स्टेडियम के कार्य को कर रहे लापरवाह ठेकेदार के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रेमनगर में दशहरा ग्राउंड के आस पास के लोगों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि पिछले चार महीनों से स्टेडियम के निर्माण का कार्य चल रहा है किंतु क्षेत्र के लोगों को ना तो विश्वास में लिया गया ना ही निर्माण कार्य के आसपास कोई चेतावनी का बोर्ड लगा है और ना ही निर्माण कार्य जहां बड़े बड़े गड्ढे खुदे हुए हैं जिनमें से एक गढ्ढे में गिर कर बच्चा मर गया उनकी देख रेख के लिए कोई चौकीदार नहीं रखा गया है। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन स्टेडियम के चारों ओर गड्ढों में पानी भरा हुआ है और इससे इलाके में डेंगू फैल सकता है। धस्माना ने बताया कि क्षेत्र की महिलाओं ने स्टेडियम के आसपास नशेड़ियों द्वारा हर वक्त नशा करने की शिकायत की और कहा कि उनके कारण स्टेडियम के आस पास से युवतियां व महिलाओं को सुरक्षा का डर बना हुआ रहता है।

बच्चे की मौत पर गुस्साये लोगों ने लगाया जाम

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। खनन माफिया द्वारा खोदे गये गढ्ढे में कल तीन बच्चों के गिर जाने के बाद जहां दो बच्चे सुरक्षित निकाल लिये गये वहीं आज सुबह एक बच्चे का शव मिलने से लोग आक्रोशित हो गये और उन्होने सड़क जाम कर दिया। हालांकि पुलिस ने उन्हे किसी तरह से समझा बुझा कर जाम खुलवा दिया है।

मामला हरिद्वार के नवोदय नगर स्थित सुखी नदी का है। जिसमें डूब कर हुई एक बच्चे की मौत के बाद स्थानीय लोगों में जिला प्रशासन के खिलाफ आक्रोश देखने को मिला, गुस्साए लोगों ने सड़क पर जाम लगाकर खनन माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। दरअसल सुखी नदी में खनन माफियों द्वारा कई फीट गहरे गड्ढे खोद दिए गए हैं, जिसमें कल तीन बच्चे डूब गए थे जिनमें से दो बच्चों को बचा लिया गया था जबकि एक बच्चे की डूबने से मौत हो गई है, आज बच्चे का शव बरामद हुआ जिसके बाद लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया, बाद में पुलिस ने लोगों को समझा कर जाम खुलवाया, लोग खनन माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे है।

प्रेमिका के मंगेतर पर फायर करने वाला आरोपी साथी सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। प्रेमिका की शादी तुड़वाने के लिए उसके मंगेतर पर फायर करने वाले आरोपी को पुलिस ने उसके साथी सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त तमंचा व बाइक भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती 30 जून को जसवन्त सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी गांव अमरपुर काजी ने थाना भगवानपुर में अपने भतीजे तुषार उर्फ गौरव को अज्ञात बाईक सवारों द्वारा जान से मारने की नियत से फायर कर पैर में गोली मारने के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज कराया गया था। मामले की गम्भीरता का देखते हुए पुलिस ने तत्काल आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद उनकी पहचान अभिषेक पुत्र आजाद निवासी ग्राम चेहड़ी थाना रामपुर मनिहारन जनपद सहारनपुर व अभिषेक पुत्र अजब सिंह निवासी ग्राम बुड्ढा खेड़ा गुज्जर थाना रामपुर मनिहारन जनपद सहारनपुर के रूप में की गयी। जिसपर पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के मोबाईल नम्बर की लोकेशन के आधार पर बीती रात दोनों आरोपियों को होटल सूर्य लोक रेलवे रोड सहारनपुर से धर दबोचा गया। जिन्होने बताया कि आरोपी अभिषेक पुत्र आजाद जिस लड़की से प्रेम करता है उसकी शादी उसके परिजनो ने तुषार (पीड़ित) से तय कर दी थी शादी तुड़वाने के लिए ही आरोपी ने तुषार को जान से मारने की नियत से फायर किया था। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर अभिषेक पुत्र आजाद के ग्राम चेहडी में उसके घर से घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल व देशी तमन्चा 315 बोर बरामद किया गया है।

सम्पूर्ण उप निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न करायें: अंशुमान

संवाददाता

देहरादून। अपर पुलिस महानिदेशक अपराधा एवं कानून व्यवस्था एपी अंशुमान ने निर्देशित किया कि सम्पूर्ण उप निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु आवश्यकतानुसार पुलिस बल नियुक्त किया जाय।

आज एपी अंशुमान, अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था/राज्य पुलिस नोडल अधिकारी, निर्वाचन, उत्तराखण्ड द्वारा जनपद चमोली की 04-बद्रीनाथ तथा जनपद हरिद्वार की 33-मंगलौर विधानसभा उप निर्वाचन-2024 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु पुलिस महानिरीक्षक, गढ़वाल परिक्षेत्र एवं जनपद प्रभारी चमोली व हरिद्वार के साथ वीडियो कांफ्रेसिंग की गयी।

वीडियो कांफ्रेसिंग के दौरान जनपद प्रभारी चमोली एवं हरिद्वार से निर्वाचन हेतु मतदान एवं मतगणना दिवस की कार्यवाही एवं तैयारियों के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की गई। इन दोनों जनपद प्रभारियों के द्वारा उप निर्वाचन हेतु पुलिस बल की ब्रीफिंग, पोलिंग पार्टियों के प्रस्थान के सम्बन्ध में बताया गया। यह भी बताया गया कि उप निर्वाचन में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था/राज्य पुलिस नोडल अधिकारी, निर्वाचन, उत्तराखण्ड द्वारा निर्देशित किया गया कि सम्पूर्ण उप निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु आवश्यकतानुसार पुलिस बल नियुक्त किया जाय। चुनाव के दृष्टिगत गश्त, चौकिंग सम्पूर्ण निर्वाचन क्षेत्र में लगातार की जाय, साथ ही बार्डर क्षेत्र में सतर्क दृष्टि रखते हुये समन्वय रखा जाय साथ ही शैडो एरिया में पड़ने वाले पोलिंग स्टेशनों पर संचार की सुचारू व्यवस्था समय से की जाय, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो।

उन्होंने निर्देश दिये कि निर्वाचन के दौरान सतर्क दृष्टि रखते हुये अपराध एवं कानून व्यवस्था को नियंत्रण में रखा जाय। किसी भी प्रकार की घटना होने पर तुरन्त उचित वैधानिक कार्यवाही की जाय। एपी अंशुमान ने बताया कि जनपद चमोली की 04-बद्रीनाथ विधान सभा उप निर्वाचन में कुल 203 मतदान केन्द्र एवं 210 मतदेय स्थल स्थापित है, जिसमें से 26 मतदान केंद्रों को क्रिटिकल की श्रेणी में रखा गया है, इनकी निगरानी हेतु एफएसटी की 06 तथा एसएसटी की 08 टीमें गठित की गयी हैं। इसी प्रकार जनपद हरिद्वार की 33-मंगलौर विधान सभा उप निर्वाचन हेतु कुल 64 मतदान केन्द्र एवं 132 मतदेय स्थल स्थापित है, जिसमें से 45 मतदान केन्द्रों को क्रिटिकल की श्रेणी में रखा गया है, इनकी निगरानी हेतु एफएसटी की 03 तथा एसएसटी की 04 टीमें गठित की गयी हैं। बैठक में कृष्ण कुमार वीके, पुलिस महानिरिक्षक अभिसूचना, सुश्री पी रेणुका देवी, पुलिस उप महानिरीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था श्रीमती तृप्ति भट्ट, पुलिस अधीक्षक, अभिसूचना सहित वरिष्ठ/पुलिस अधीक्षक हरिद्वार एवं चमोली द्वारा प्रतिभाग किया गया।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने बकरालवाला के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 52 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम साहिल सोनकर पुत्र विनोद सोनकर निवासी बकरालवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हेतु अधिकारी समयबद्ध तरीके से कार्य करें: भट्ट

संवाददाता

देहरादून। राज्य स्तरीय राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य एवं अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष सुरेश भटट ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हेतु अधिकारी समयबद्ध तरीके से कार्य करें।

आज यहां स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हेतु अधिकारी समयबद्ध तरीके से कार्य करें यह बात सुरेश भट्ट, उपाध्यक्ष, राज्य स्तरीय राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य एवं अनुश्रवण परिषद्, उत्तराखंड सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तराखंड के तहत संचालित समस्त कार्यक्रमों की तकनीकी, भौतिक और वित्तीय प्रगति पर समीक्षा बैठक का आयोजन करते हुए कही। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों जैसे मातृत्व स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, राष्ट्रीय टी.बी. उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग, आदि कार्यक्रमों की वर्तमान स्थिति, उनकी उपलब्धियों और आने वाली चुनौतियों पर समीक्षा की गई। भट्ट ने कार्यक्रमों के निष्पादन हेतु अधिकारियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा, राज्य के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए हमारे सभी प्रयास जारी हैं। हमें इस दिशा में और अधिक समर्पण और सहयोग की आवश्यकता है।

बैठक के दौरान विभिन्न अधिकारियों ने अपनी-अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमें प्रमुख रूप से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण अभियान, स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति और उनकी सुधार की योजना शामिल थी। भट्ट ने सभी अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य करने और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए सतत प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में कोई भी कमी नहीं आने देगी और सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराएगी।भट्ट ने मानसून के दृष्टिगत संबंधित अधिकारियों को जल जनित रोगों की रोकथाम व नियंत्रण पर आदेशित करते हुए कहा, कि राज्य में डेंगू, मलेरियां, चिकनगुनिया जैसे रोगों की रोकथाम हेतु व्यापक अभियान प्रदेशभर में चलाया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए सराहा और आगे भी इसी तरह से कार्य करने की उम्मीद जताई। बैठक में अमनदीप कौर, अपर मिशन निदेशक, एन.एच.एम.; डॉ आर. के. सिंह, निदेशक, एनएचएम; प्रभारी अधिकारी, एन.एच.एम. डॉ पकंज सिंह, डॉ फरीदुजफर, डॉ अर्चना ओझा, डॉ भास्कर जुयाल, डॉ मुकेश राय, डॉ उमा रावत, डॉ अकांक्षा निराला, आदि अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

एक नजर

हीरा व्यापारी के स्टाफ से करोड़ों की लूट का खुलासा, पांच गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

सहारनपुर। मेरठ के बड़े डायमंड कारोबारी के स्टाफ से सहारनपुर जिले के नागल क्षेत्र में लूटपाट का खुलासा करते हुए पुलिस मात्र कुछ ही घंटो में पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। लूट की इस घटना में कारोबारी के कर्मचारी भी शामिल है। जानकारी के अनुसार कारोबारी ऑर्डर पर आभूषण बनाने का काम करता है, और देर रात 9 बजे के करीब उनका स्टाफ सहारनपुर में आभूषणों की डीलीवरी देने जा रहे थे। उन्होंने बताया कि नागल क्षेत्र में दो पल्सर सवार एवं दो अपाचे मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने गन प्वाइंट पर लेकर आभूषण लूट लिये। पुलिस के अनुसार थाना नागल के अंतर्गत एक व्यक्ति सत्यम शर्मा के द्वारा अपने मालिक जो मेरठ में डायमंड ज्वेलरी का काम करते हैं , के माध्यम से सूचना दी गई थी कि वो और उसके साथ एक ड्राइवर तरुण सैनी अंबाला से सहारनपुर होते हुए मेरठ जा रहे थे। उनके पास डायमंड की ज्वैलरी जो उनके मालिक अन्य सराफ को बेचने हेतु लेकर भेजते हैं ,रास्ते में 4 अज्ञात बदमाशों द्वारा कार को रोककर लूट ली गई है। पुलिस टीम द्वारा दोनों के बयानों में अंतर्विरोध और सख्ती से पूछने पर दोनों द्वारा घटना स्वयं कारित किया जाना बताया। डायमंड ज्वैलरी वाला बैग अपने साले को जो मेरठ में रहता है, उसके पास होना बताया है। पुलिस टीम द्वारा तीनों को ही मेरठ से हिरासत में लिया गया है। इनके पास से संपूर्ण समान जिसमें 36 हार,20 ब्रेसलेट, 52 अंगूठी और 7 कंगन,पेंडेंट 32 ,अंगूठी 153 ,कान के टॉप 73,मंगलसूत्र 42 बरामद किए गए हैं। घटना में शामिल लोगों के नाम सत्यम शर्मा (सराफ का कर्मचारी), तरुण सैनी (कार चालक), हिमांशु उर्फ डिंपी पुत्र चंद्रशेखर, प्रिंस पुत्र करण सिंह व कमरपाल पुत्र गंगादास बताये जा रहे है।

हाथरस: भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों से मिले राहुल गांधी

हाथरस । विपक्षी गठबंधन के नेता राहुल गांधी आज हाथरस पीड़ितों से मुलाकात करने पहुंचे हैं। राहुल गांधी शुक्रवार सुबह दिल्ली से हाथरस के लिए रवाना हुए, जहां उन्होंने पहले अलीगढ़ के एक परिवार से मुलाकात की। जहां राहुल गांधी कुछ देर रूके और परिजनों से बात की। राहुल ने यहां पर आधे घंटे से ज्यादा का समय बिताया और सभी को सुना। पीड़ित परिवारों ने कहा है कि राहुल गांधी ने उनसे कहा कि वह सहायता करेंगे। इसके बाद वह हाथरस में उन लोगों के बीच पहुंचे जिनके अपने भगदड़ में मारे गए। उन्होंने हाथरस के ग्रीन पार्क में पीड़ितों से मुलाकात की। सभी पीड़ित इसी पार्क में इकट्ठा हुए थे। वह भगदड़ में जान गंवा चुकी मुन्नी देवी और आशा देवी के साथ घायल माया देवी से मिले। राहुल गांधी इस हादसे में दम तोड़ चुकी ओमवती के परिवार के लोगों से भी मिले। हाथरस पीड़ितों से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा कि बहुत परिवारों को नुकसान हुआ है, बहुत लोगों की मौत हुई है। मैं इसको राजनीतिक प्रिज्म से नहीं कहना चाहता हूं। मगर प्रशासन की कमी तो है, गलतियां तो हुई हैं। ये पता लगाया जाना चाहिए।

टीम इंडिया की विक्ट्री परेड के दौरान दर्जनों फैन्स हुए घायल

मुंबई। भारतीय टीम ने गुरुवार को मुंबई में टी20 विश्व कप की जीत का जश्न मनाते हुए मेगा रोड शो निकाला। इस दौरान खिलाड़ियों और ट्रॉफी को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। इस दौरान थोड़ी भगदड़ हुई और भीड़ में कई लोगों की हालत खराब हो गई। किसी की हड्डी टूट गई तो किसी को सांस लेने में तकलीफ हो गई। जिसके बाद कुछ घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती भी कराया गया। हादसे की जानकारी खुद मुंबई पुलिस ने साझा की है। इस हादसे की जानकारी देते हुए मुंबई पुलिस की तरफ से कहा गया कि भारतीय क्रिकेट टीम का स्वागत करने आए कई प्रशंसकों की हालत बिगड़ गई, कुछ घायल हो गए और कुछ को सांस लेने में तकलीफ हुई। 10 लोगों को इलाज के लिए नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जिन दो लोगों को भर्ती कराया गया है, उनमें से एक की हड्डी टूट गई है और दूसरे को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। टीम इंडिया के खिलाड़ियों को ट्रॉफी के साथ देखने की खुशी में कई फैंस ने गाड़ियों को भी नुसकान पहुंचाया। दरअसल जीत की खुशी में फैंस गाड़ियों की छतों पर चढ़कर भी नाचे थे, जिससे कई गाड़ियों की छत को नुकसान पहुंचा है। मरीन ड्राइव से टीम इंडिया का रोड शो गुजरने के बाद सड़कों पर टूटा हुआ पोल और काफी सारे जूते-चप्पल भी बिखरे हुए देखे गए।

80 वर्षीय बुजुर्ग महिला के साथ किया था दुष्कर्म, आजीवन कारावास

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। 80 वर्षीय बुजुंग महिला से दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। बुजुंग महिला से दुष्कर्म किये जाने का यह मामला 8 फरवरी 2023 को घटित हुआ था जो कि अपने घर में अकेली रहती थी।

जानकारी के अनुसार यह शर्मनाक घटना पिथौरागढ़ जनपद के जाजरदेवल थाना क्षेत्र का है जहाँ पर एक 80 साल की वृद्धा अकेले रहती थी और गाँव के ही एक युवक मुकेश सिंह बिष्ट ने 8 फरवरी 2023 को उसके घर में घुसकर पहले बुजुर्ग महिला से मारपीट की और फिर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। वृद्ध महिला की चीख-पुकार सुनकर जब तक आस पड़ोस के लोग उसके घर पहुंचे तब तक आरोपी मौके से फरार हो चुका था।

मामले में पीड़ित बुजुर्ग महिला के परिजनों ने जाजरदेवल थाने में आरोपी युवक के खिलाफ आईपीसी की धारा 323, 450, 376 (2) के तहत मुकदमा दर्ज कराया और फिर यह मामला जिला सत्र न्यायलय में चला। सत्र न्यायाधीश शंकर राज ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद मुकेश सिंह बिष्ट को आईपीसी की धारा 323 के अपराध में दोषी ठहराते हुए एक साल की कठोर जेल और एक हजार रुपये का अर्थदंड लगाया। यदि अर्थदंड का भुगतान नहीं किया गया तो एक महीने की अतिरिक्त कैद की सजा भुगतनी पड़ेगी। धारा 450 के तहत आरोपी को 10 वर्षों की कठोर कारावास की सजा और 20,000 रुपये का अर्थदंड सुनाया गया है। यदि अर्थदंड का भुगतान नहीं किया जाता है, तो दो साल की अतिरिक्त कठोर कैद की सजा भुगतनी होगी। धारा 376(2) के अंतर्गत आरोपी को आजीवन कारावास और 50,000 रुपये का अर्थदंड दिया गया है। अर्थदंड न चुकाने पर दोषी को पांच वर्षों की अतिरिक्त कठोर कैद की सजा भुगतनी होगी। सभी सजाएँ एक साथ लागू होंगी। इस मामले की पैरवी राज्य सरकार की ओर से डीजीसी फौजदारी प्रमोद पंत और एडीजीसी प्रेम भंडारी ने की है।

मकान का ताला तोड जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भाऊवाला निवासी निखिल कुकरेती ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ दो जून को बाहर गया था। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से जेवरात व नगदी चोरी करके ले गये हैं।

चोरी की एक्टिवा के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की एक्टिवा के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजराजेश्वरी कालोनी देहराखास निवासी मुकेश रमोला ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा को घर के बाहर खडा किया था लेकिन जब वह थोडी देर बाद वहां पर पहुंचा तो उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक एक्टिवा सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। गाडी की कागजात मांगे तो कागजात नहीं दिखा सका। सख्ती से पूछताछ में उसने बताया कि उसने यह एक्टिवा राजराजेश्वरी कालोनी से चोरी की है। पूछताछ में उसने अपना नाम रोहित शर्मा पुत्र राकेश शर्मा निवासी बद्रीपुर जोगीवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

गौमुख पैदल मार्ग पर पुल टूटने से फंसे कावड़िये, रेस्क्यू जारी

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। गौमुख पैदल मार्ग पर चीड़वासा के पास पुल टूटने से कई कावड़िये फंस गये। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ ने रेस्क्यू अभियान चलाकर 8 कावंड़ियों को सुरक्षित निकाला जबकि बाकी कावंड़ियों के लिए रेस्क्यू अभियान जारी है।

जानकारी के अनुसार बीती रात जनपद उत्तरकाशी के पुलिस चौकी गंगोत्री द्वारा एसडीआरएफ टीम को सूचित किया गया कि चीड़वासा पुल टूट गया है, जिसमें लगभग 40 कावड़ियें नदी के दूसरे छोर पर फंस गए है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए आज सुबह एसडीआरएफ टीम उप निरीक्षक सावर सिंह के हमराह मय आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। एसडीआरएफ टीम द्वारा लगभग 8 किमी पैदल दूरी तय कर घटनास्थल पर पहुंचकर त्वरित कार्यवाही करते हुए 8 कांवड़ियों को सकुशल निकाल लिया गया है। एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम इंचार्ज सावर सिंह द्वारा सैटेलाइट फोन के माध्यम से बताया गया कि बाकी कांवड़ियों के रेस्क्यू के लिए एसडीआरएफ टीम लगातार काम कर रही है, जल्द ही सभी को सुरक्षित निकाल लिया जाएगा।

घर के बाहर खड़ी एक्टिवा चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडी एक्टिवा चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कारगी कुंज विहार निवासी सतेश्वर प्रसाद ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा घर के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।